कौटिल्य एकेडमी

www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

Current AFFAIRS

होयसल के पवित्र मंदिर समूह यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल

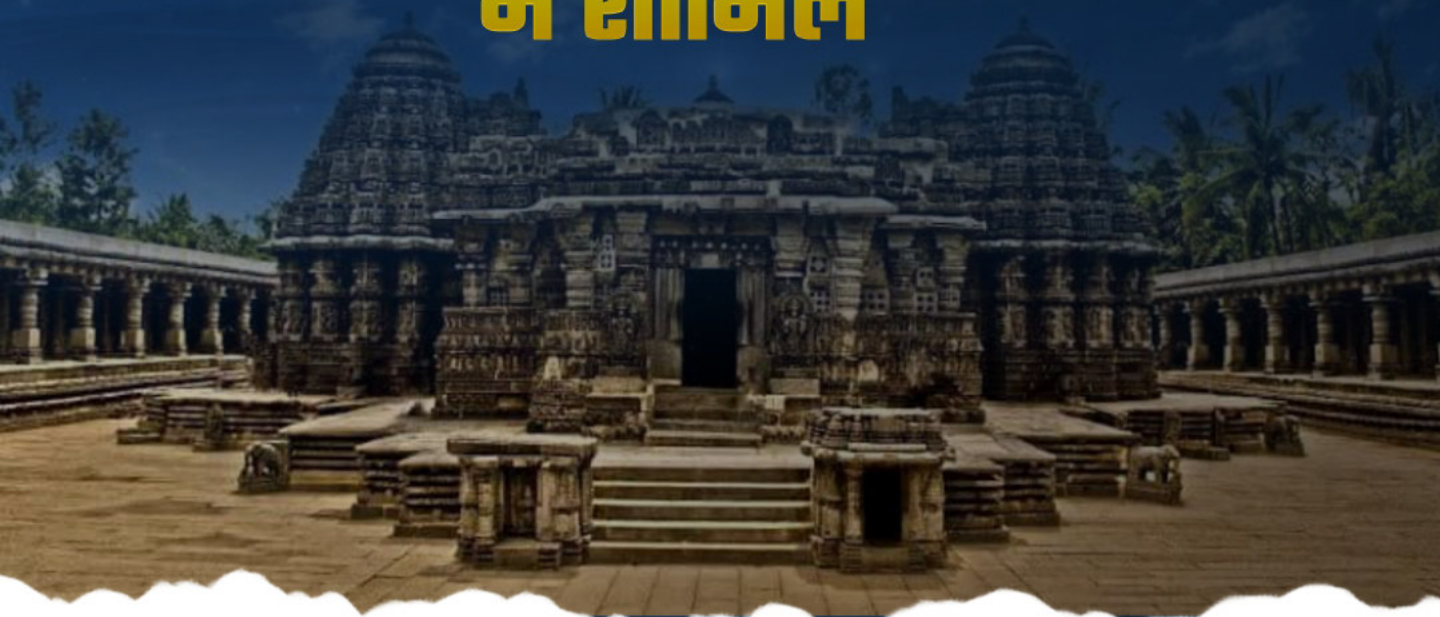

- हाल ही में कर्नाटक में 'होयसल के पवित्र मंदिर समूह' - बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुरा के होयसल मंदिरों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।
- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने सोमवार को 'एक्स' पर यह जानकारी साझा की।
- यह निर्णय सऊदी अरब के रियाद में जारी विश्व धरोहर समिति के 45वें सत्र के दौरान लिया गया।
- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (एएसआइ) के अनुसार भारत में अब यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की संख्या बढ़कर 42 हो गई है। इनमें सांस्कृतिक श्रेणी में 34, प्राकृतिक श्रेणी में सात और एक मिश्रित श्रेणी में शामिल है।

Current AFFAIRS

- **होयसल मंदिर समूह -;**
  12 वीं - 13 वीं शताब्दी में निर्मित और बेलूर, हैलेबिड और सोमनाथपुरा के तीन होयसला मंदिर का समूह है।
- होयसला कला एवं साहित्य के संरक्षक माने जाते होयसल राजवंश की यह राजधानी थी।
- कर्नाटक के हसन जिले के बेलूर में केशव मंदिर विष्णुवर्धन द्वारा निर्मित किया गया है।
- इन मंदिरों की शैली न ही पूरी तरह से द्रविड़ और न ही पूरी तरह से नागर है। ऐसे में इसकी अनूठी शैली में निर्माण किया गया है।

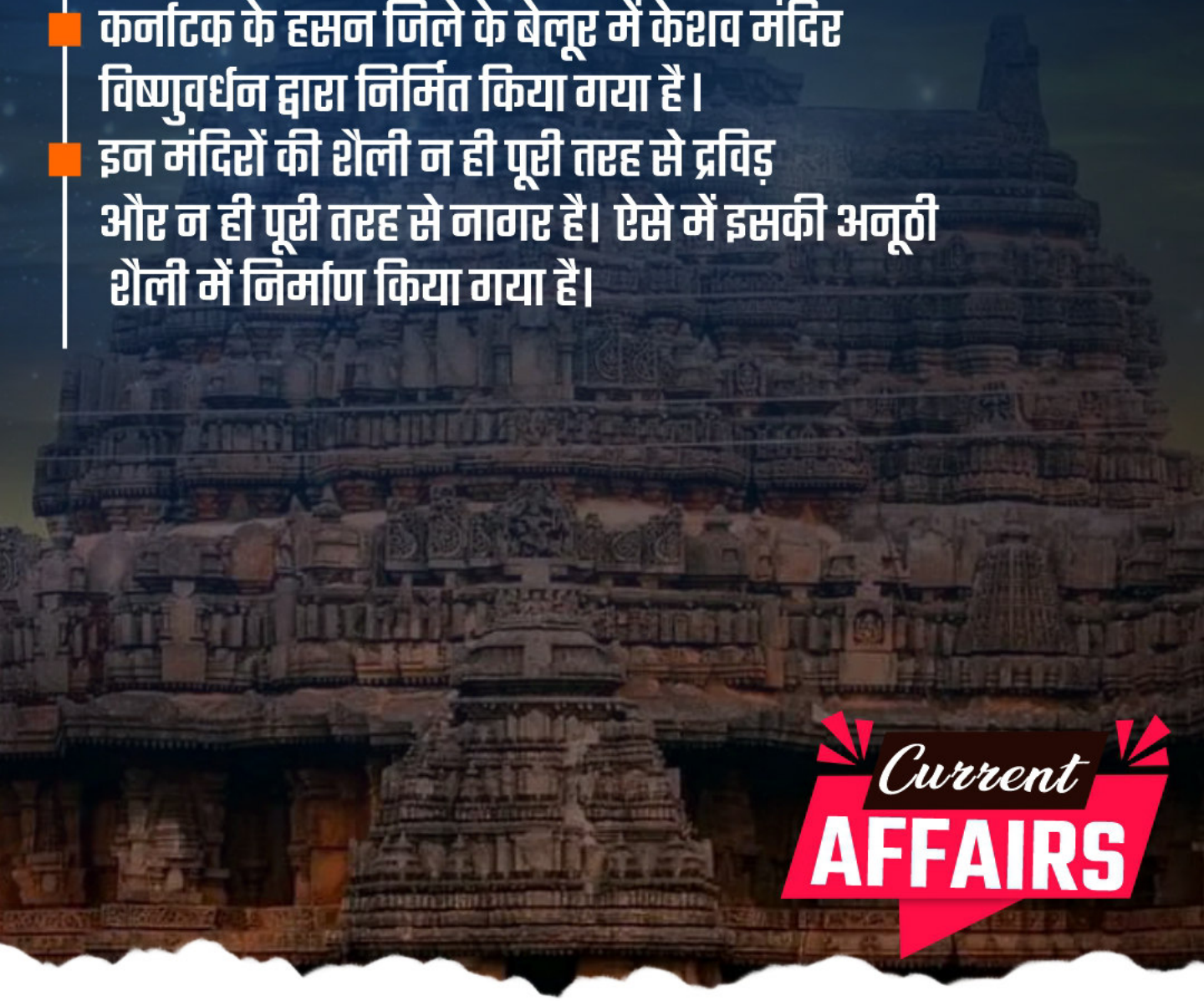

Current AFFAIRS

Current AFFAIRS

कौटिल्य एकेडमी

www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

संसद भवन का इतिहास

नया संसद भवन ;-

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन किया था।
- इमारत का निर्माण 2019 में शुरू हुआ था।
- इस इमारत की लागत 836 करोड़ रुपये है।

- आकार - नई इमारत का आकार त्रिकोणीय है। इसका मुख्य कारण यह है कि जिस भूमि पर इसे बनाया गया है वह त्रिकोणीय है ।
- नया संसद भवन तीन मंजिला है और इसका निर्मित क्षेत्र 64,500 वर्गमीटर है।
- लोकसभा कक्ष में 888 सदस्य और राज्यसभा कक्ष में 300 सदस्य आराम से बैठ सकते हैं।
- दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के लिए लोकसभा कक्ष में 1,280 सांसदों की जगह है।
- वीआइपी, सांसदों, आगंतुकों के लिए तीन मुख्य द्वार ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार हैं।
- स्थापत्य - वास्तुकार बिमल पटेल द्वारा डिजाइन की गई नई इमारत में इस्तेमाल की गई सागौन की लकड़ी महाराष्ट्र के नागपुर से मंगवाई गई थी, जबकि लाल और सफेद बलुआ पत्थर राजस्थान के सरमथुरा से खरीदा गया था।

- केशरिया हरा पत्थर उदयपुर से लाल ग्रेनाइट अजमेर के पास लाखा से और सफेद संगमरमर राजस्थान के अंबाजी से प्राप्त किया गया है।

- इमारत में लगे पत्थर की जाली का काम राजस्थान के राजनगर और नोएडा से किया गया था।

- अशोक प्रतीक के लिए सामग्री औरंगाबाद और जयपुर से मंगाई गई थी, जबकि लोकसभा और राज्यसभा कक्षों की विशाल दीवारों और संसद भवन के बाहरी हिस्से पर लगे अशोक चक्र को मध्य प्रदेश के इंदौर से खरीदा गया था।

- हरियाणा के चरखी दादरी से निर्मित रेत का उपयोग भवन की निर्माण गतिविधियों के लिए कंक्रीट मिश्रण बनाने के लिए किया गया है।

Current AFFAIRS

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ·II

पुराना संसद भवन

Current AFFAIRS

निर्माण;- भवन का शिलान्यास 12 फरवरी, 1921 को ड्यूक आफ कनाट ने किया था।
इसके निर्माण में छह वर्षों का समय लगा था।

इसका उद्घाटन तत्कालीन वायसराय लार्ड इरविन ने 18 जनवरी, 1927 को किया था।

संपूर्ण भवन के निर्माण कार्य में कुल 83 लाख रुपये की लागत आई थी।

स्थापत्य ; मशहूर वास्तुविद लुटियंस ने भवन का डिजाइन तैयार किया था।
सर हर्बर्ट बेकर के निरीक्षण में निर्माण कार्य संपन्न हुआ था ।
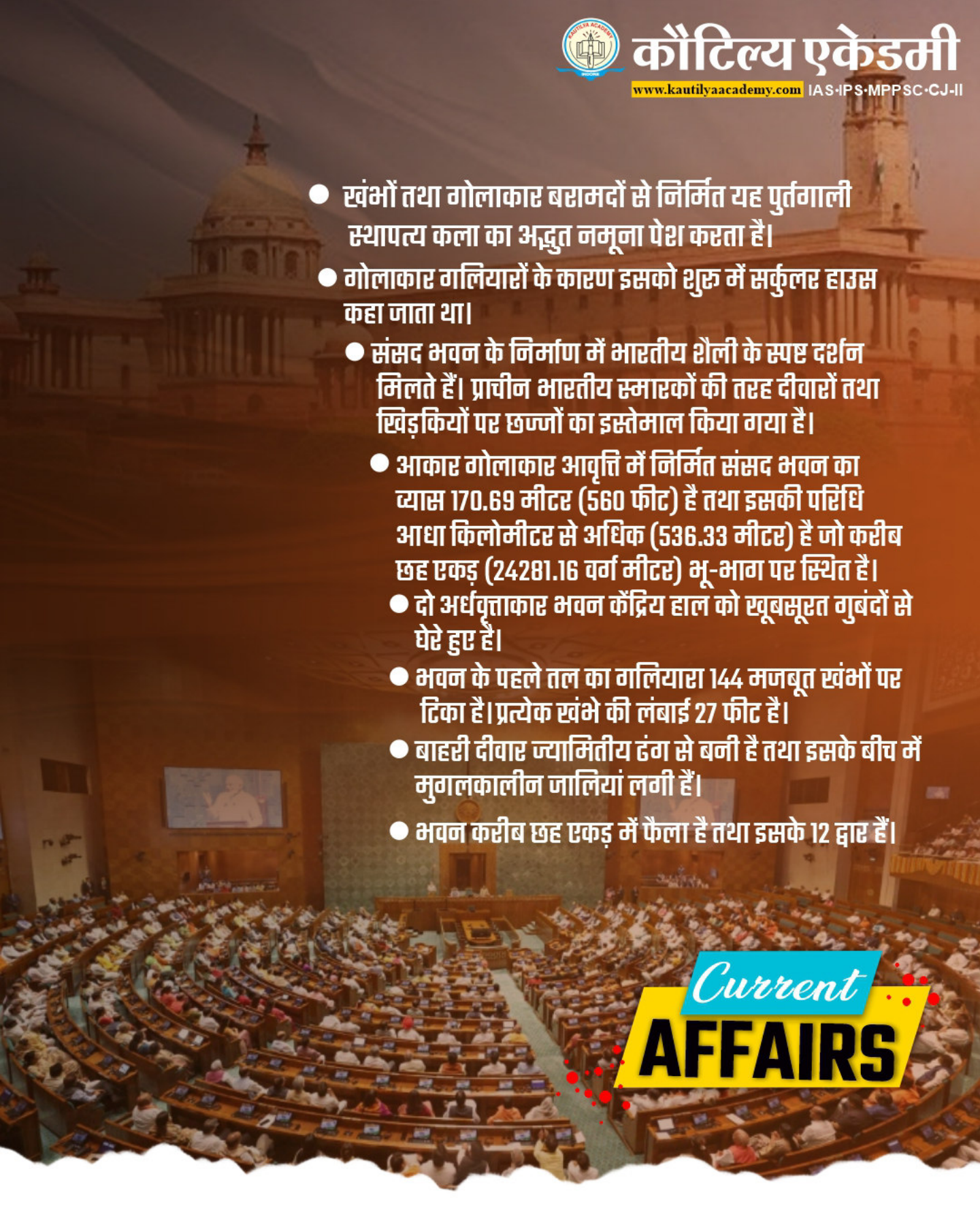
- खंभों तथा गोलाकार बरामदों से निर्मित यह पुर्तगाली स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना पेश करता है।
- गोलाकार गलियारों के कारण इसको शुरू में सर्कुलर हाउस कहा जाता था।
- संसद भवन के निर्माण में भारतीय शैली के स्पष्ट दर्शन मिलते हैं। प्राचीन भारतीय स्मारकों की तरह दीवारों तथा खिड़कियों पर छज्जों का इस्तेमाल किया गया है।
- आकार गोलाकार आवृत्ति में निर्मित संसद भवन का व्यास 170.69 मीटर (560 फीट) है तथा इसकी परिधि आधा किलोमीटर से अधिक (536.33 मीटर) है जो करीब छह एकड़ (24281.16 वर्ग मीटर) भू-भाग पर स्थित है।
- दो अर्धवृत्ताकार भवन केंद्रिय हाल को खूबसूरत गुबंदों से घेरे हुए है।
- भवन के पहले तल का गलियारा 144 मजबूत खंभों पर टिका है। प्रत्येक खंभे की लंबाई 27 फीट है।
- बाहरी दीवार ज्यामितीय ढंग से बनी है तथा इसके बीच में मुगलकालीन जालियां लगी हैं।
- भवन करीब छह एकड़ में फैला है तथा इसके 12 द्वार हैं।